पढ़ई तुँहर पारा

सामुदायिक विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई हेतु साप्ताहिक कैलेंडर

प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5)

24 अगस्त से 29 अगस्त

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

अगस्त 2020

गतांक.....

हमारा संविधान

मौलिक अधिकार

अच्छे जीवन और आत्म–विकास के लिए अधिकार अत्यंत आवश्यक है। एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते भारत अपने नागरिकों को ऐसे अधिकार प्रदान करता है, जिन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं। भारत का संविधान छह मौलिक अधिकारों की गारंटी देता हैं –

समानता का अधिकार–

इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि देश में कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं अर्थात् हमारे देश का कानून, धर्म, लिगं, जाति, रंग और मत के आधार पर कोई भेद–भाव नहीं करता। यह भी विशेष तौर से कहा गया है कि किसी को भी सार्वजनिक संस्थाओं जैसे– अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, मंदिर, दर्शनीय स्थलों, इमारतों, पर्यटन स्थल में प्रवेश एवं इस्तेमाल करने से नहीं रोका जा सकता है। संविधान ने अस्पृश्यता को समाप्त कर दिया है। अतः अस्पृश्यता अब काननू द्वारा दंडनीय अपराध है।

उदाहरण – किसी भी व्यक्ति के द्वारा अपराध किया जाता है व उसे अपराध का दोषी पाया जाता है ता उसे दंड मिलना चाहिये कोई भी व्यक्ति अपने पद या पृष्ठभूमि के कारण विशेष व्यवहार का दावा नहीं कर सकता।

आप अपने शिक्षक के साथ मौलिक अधिकार के हनन संबंधी कुछ और उदाहरणों पर चर्चा कीजिये।

क्रमशः ....

प्राथमिक स्तर कक्षा (1 - 5)

विषय - हिंदी

1. सप्ताह की अवधारणा / दक्षता -

- सुनना, सुनकर समझना।

दिए गए गीत को हाव-भाव के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएँ-

बच्चों के साथ मिलकर गीत गाएँ।

गीत

बिल्ली रानी चली मटकती, पहन नई सलवार।

घूम-घूमकर देखे उसने, नए-नए बाजार।।

सोच रही थी मेले में हैं, मीठे-मीठे आम।

कुत्ते से मुठभेड़ हुई तो, भूल गई सब काम।।

नीचे दी गई गतिविधियों को सम्पन्न करें।

2. गतिविधि -

गतिविधि-1

1. शिक्षक, शिक्षा-सारथी द्वारा गीत को हाव-भाव के साथ सुनाया जाएगा।
2. उपस्थित बच्चों को गोल घेरा बनाकर बिठाया जाएगा।
3. छोटे-छोटे कागज की पर्ची बनाकर एक डिब्बे में रखा जाएगा।
4. पर्चियों पर बच्चों के नाम लिखे होंगे।
5. किसी भी एक बच्चे को एक पर्ची उठाने को कहा जाएगा।
6. पर्ची में जिसका नाम निकलेगा, उसको सुनी हुई कविता की एक पंक्ति सुनाने के लिए कहा जाएगा।
7. यदि बच्चे किसी अन्य गीत को भी सुनाते हैं तो उसे मान्य किया जाए।

3. वर्क शीट -

1. जब तुम मेला जाओगे तो वहाँ क्या-क्या खरीदोगे और क्या नहीं खरीदोगे, उस पर सही (√) का निशान लगाओ-

वस्तु का नाम	क्या खरीदोगे	क्या नहीं खरीदोगे
मिठाई		
खिलौना		
गुब्बारा		
चश्मा		
फल		
कुल्फी		

2. कौन कैसे बोलता है? सही जोड़ी बनाओ-

1.	बिल्ली	चूं-चूं
2.	चूहा	हम्मां-हम्मां
3.	कुत्ता	म्याऊँ-म्याऊँ
4.	गाय	ढेंचू-ढेंचू
5.	गधा	भौं-भौं

4. आकलन

1. बिल्ली रानी कैसे चल रही थी?
2. घूम-घूमकर किसने क्या देखा?
3. आम कैसे हैं?
4. मेले में बिल्ली का सामना किससे हुआ?
5. मेले के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

गतिविधि 2

दिए गए चित्र के आधार पर कहानी बनाकर बच्चों को सुनाया जाएगा।

चित्र पर चर्चा करें व कहानी बनाकर सुनाएँ। अच्छा हो अगर कहानी सुनाते-सुनाते चित्र की ओर ध्यान आकर्षित करें।

मोहन स्कूल से घर लौट रहा था। रास्ते में उसे ठंड से काँपती हुई एक चिड़िया मिली। मोहन उसे अपने रूमाल में लपेटकर घर ले आया। आगे क्या हुआ होगा सोचो और बातें करो।

- बच्चों के सहयोग से कहानी आगे बढाएँ।
- कहानी में मोहन ने चिड़िया को उड़ा दिया था। मोहन की जगह तुम होते तो क्या करते ?
- चिड़िया क्या-क्या खाती है ?
- अपनी पसंद की चिड़िया पर कविता सुनाइए।
- 'चिड़िया' पर एक कहानी सुनाइए।
- कागज की चिड़िया बनवाएँ और उसमें रंग भरवाएँ ।

3. वर्कशीट

1. अपनी पसंद का चित्र बनाकर रंग भरो।

2. खाली स्थान भरो -

1. चिड़िया ..... में रहती है।
2. कुहु-कुहु ..... बोलती है।
3. पंख फैलाकर ..... नाचता है।
4. कौआ का रंग ..... होता है।

4. आकलन

1. आपको कौन-सी चिड़िया अच्छी लगती है? बताइए।
2. 'स' वर्ण से शुरू होने वाले पाँच शब्दों को बताइए।
3. आप कौन-कौन-से पक्षियों के बारे में जानते हो? उनके नाम बताइए।
4. मोहन को रास्ते में क्या मिला?
5. मोहन ने चिड़िया को ठंड से कैसे बचाया होगा?

5. सुझाव -

1. इसी प्रकार अन्य गीत-कविताओं से गतिविधियाँ कराई जा सकती हैं।
2. स्थानीय भाषा में इन गतिविधियों को कराया जा सकता है।

---000---

विषय - गणित

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता:-

संख्याएँ **- पूर्ववर्ती एवं परवर्ती संख्या**

- लाभ हानि

2. गतिविधियाँ:-

गतिविधि 1:- पूर्ववर्ती तथा परवर्ती संख्या ज्ञात करना -

सबसे पहले शिक्षक पूर्ववर्ती तथा परवर्ती संख्या के बारे में जानकारी देंगे।

पूर्ववर्ती संख्या:- किसी संख्या के ठीक पहले की संख्या पूर्ववर्ती संख्या होती है।

जैसे - संख्या 15 की पूर्ववर्ती संख्या 15 - 1 = 14

परवर्ती संख्या:- किसी संख्या के ठीक बाद की संख्या परवर्ती संख्या होती है।

जैसे - संख्या 15 की परवर्ती संख्या 15 + 1 = 16

आवश्यक सामग्री:- तख्ती/कागज पर कुछ लगातार संख्याएँ लिखें।

क्रियाविधि -

- सभी तख्तियों को बच्चों में बाँट दें।
- अब किसी भी एक बच्चे को सामने बुलाकर उसे अपनी तख्ती अन्य बच्चों को दिखाने के लिए कहें।
- अब उस संख्या की पूर्ववर्ती संख्या वाले बच्चे को आने के लिए कहें।
- इसके बाद परवर्ती संख्या वाले बच्चे को आने के लिए कहें।

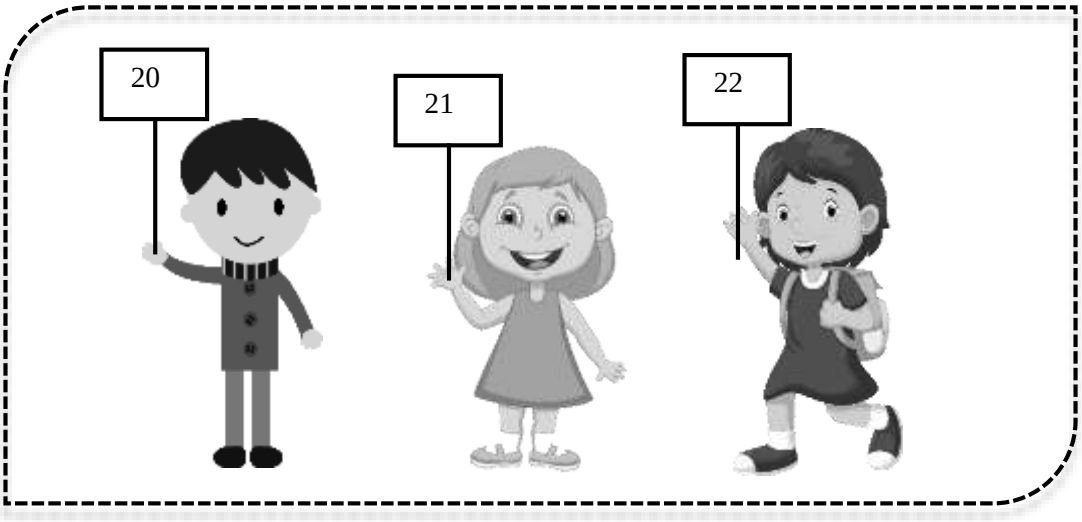

- उपरोक्त गतिविधि इसी क्रम में सभी बच्चों के लिए दोहराएँ।
- इस गतिविधि को दो संख्याओं के बीच की संख्या ज्ञात करने के लिए भी उपयोग करें।

गतिविधि 2:- लाभ-हानि

आवश्यक सामग्री:- कक्षा-कक्ष में दुकान जैसा वातावरण बनाएँ। इसके लिए कुछ वस्तुएँ एकत्रित करें एवं टेबल/जमीन पर उन वस्तुओं को रखें तथा पर्ची बनाकर उन वस्तुओं की कीमत लिखें।

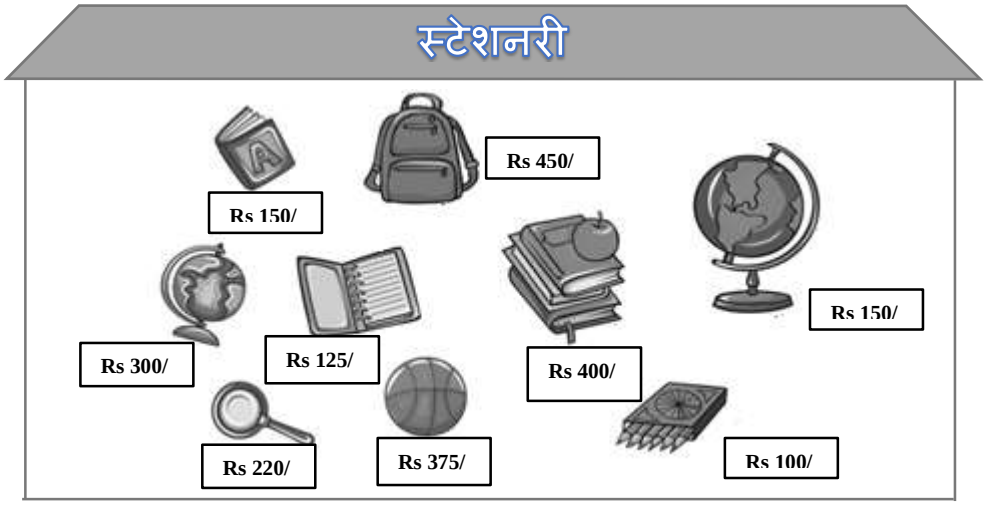

क्रियाविधि -

- प्रत्येक बच्चा उन वस्तुओं में से अपनी मनपसंद वस्तु खरीदेगा तथा उस वस्तु की कीमत कॉपी/स्लेट पर नोट करेगा, जिसे क्रय मूल्य कहा जायेगा।
- अब सभी बच्चे अपनी-अपनी खरीदी हुई वस्तुओं को आपस में बेचेंगे। सभी बच्चे बारी-बारी से कक्षा के सामने आकर अपने वस्तुओं को दिखाकर बेचेंगे। इसे विक्रय मूल्य कहा जायेगा।
- बच्चे क्रय मूल्य एवं विक्रय मूल्य के आधार पर लाभ/हानि की गणना करेंगे।
- विचार करेंगे कि क्या हमेशा लाभ/हानि होती है या अन्य विकल्प भी हैं।

3. सुझावात्मक वर्कशीट:-

पूर्ववर्ती संख्या ज्ञात करना।

क्रमांक	संख्या	पूर्ववर्ती संख्या ज्ञात करना	पूर्ववर्ती संख्या
उदाहरण:-	18	18-1 = 17	17
1	10		
2	26		
3	52		
4	60		
5	46		

परवर्ती संख्या ज्ञात करना।

क्रमांक	संख्या	परवर्ती संख्या ज्ञात करना	परवर्ती संख्या
उदाहरण:-	18	18+1 = 19	19
1	36		
2	19		
3	65		
4	50		
5	71		

बीच की संख्या ज्ञात करना।

क्रमांक	पूर्ववर्ती संख्या	संख्या	परवर्ती संख्या
उदाहरण:-	25	26	27
1	56		58
2	42		44
3	85		87
4	59		61
5	90		92

लाभ/हानि ज्ञात करना ।

लाभ = विक्रय मूल्य - क्रय मूल्य

हानि = क्रय मूल्य - विक्रय मूल्य

क्रमांक	क्रय मूल्य (रु.में)	विक्रय मूल्य (रु.में)	लाभ/हानि (रु.में)	लाभ/हानि की गणना (रु.में)
उदाहरण:-	**150**	**180**	**लाभ**	**लाभ = विक्रय मूल्य - क्रय मूल्य** **= 180 - 150** **= 30**
1	280	320		
2	360	220		
3	450	400		
4	500	320		
5	330	330	विचार करें	

क्रय मूल्य /विक्रय मूल्य ज्ञात करना -

क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य - लाभ

विक्रय मूल्य = क्रयमूल्य + लाभ

क्रमांक	**क्रय मूल्य (रु. में)**	**विक्रय मूल्य (रु. में)**	**लाभ (रु. में)**	**क्रय मूल्य /विक्रय मूल्य की गणना (रु. में)**
उदाहरण:-	**-**	**210**	**30**	**क्रयमूल्य = विक्रय मूल्य - लाभ = 210 - 30 = 180**
1	280	-	31	
2	-	360	52	
3	450	-	33	
4	-	150	15	
5	330	-	100	

क्रय मूल्य / विक्रय मूल्य ज्ञात करना -

विक्रय मूल्य = क्रय मूल्य - हानि

क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य + हानि

क्रमांक	**क्रय मूल्य (रु.में)**	**विक्रय मूल्य (रु.में)**	**हानि (रु.में)**	**क्रय मूल्य /विक्रय मूल्य की गणना (रु.में)**
उदाहरण:-	**-**	**453**	**27**	**विक्रय मूल्य = क्रयमूल्य - हानि = 453 - 27 = 426**
1	332	-	48	
2	-	460	150	
3	220	-	35	
4	-	300	27	
5	444	-	6	

4. आकलन के प्रश्न:-

दिए गए मानों के लिए प्रश्न बनाकर उसे हल कीजिए।

(1) क्रय मूल्य = 150 रुपये, विक्रय मूल्य = 190 रुपये, लाभ = 40 रुपये

उदाहरण -

प्रश्न - किसी वस्तु को 190 रुपये में बेचने पर 40 रुपये का लाभ होता है। बताइए उस वस्तु को कितने रुपये में खरीदा गया होगा ?

हल - विक्रय मूल्य = 190 रुपये, लाभ = 40 रुपये,

क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य - लाभ

= 190 - 40

= 150 रुपये

(i) (विक्रय मूल्य ज्ञात करने के लिए प्रश्न बनाकर हल करें।)

(ii) (लाभ ज्ञात करने के लिए प्रश्न बनाकर हल करें।)

(2) क्रय मूल्य = 350 रुपये, विक्रय मूल्य = 300 रुपये, हानि = 50 रुपये

(उपरोक्त उदाहरण के अनुसार प्रश्न बनाकर हल करें।)

(i)

(ii)

(iii)

(3) किसी सामान की खरीदी बिक्री में क्या "न लाभ न हानि" होता है? समझाइए।

(4) वह संख्या बताइए जिसकी पूर्ववर्ती संख्या 59 है।

(5) वह संख्या बताइए जिसकी परवर्ती संख्या 39 है।

---000---

विषय - पर्यावरण

1. सप्ताह की अवधारणा / दक्षता

- अपने परिवेश में पाए जाने वाले पौधों के सामान्य लक्षणों के आधार पर पहचान करना, चित्र बनाना तथा महत्व के बारे में जानना।

2. गतिविधि

गतिविधि-1

पौधे के विभिन्न भाग जड़, तना, पत्ती, फूल एवं फल को पहचान करना।

बच्चे अपने द्वारा लाए गए पौधे का चित्र खाली बॉक्स में बनाएंगे तथा दिए गए चित्र से अपने बनाए चित्र की तुलना करके जड़, तना, पत्ती, फूल एवं फल आदि अंगों की पहचान करेंगे।

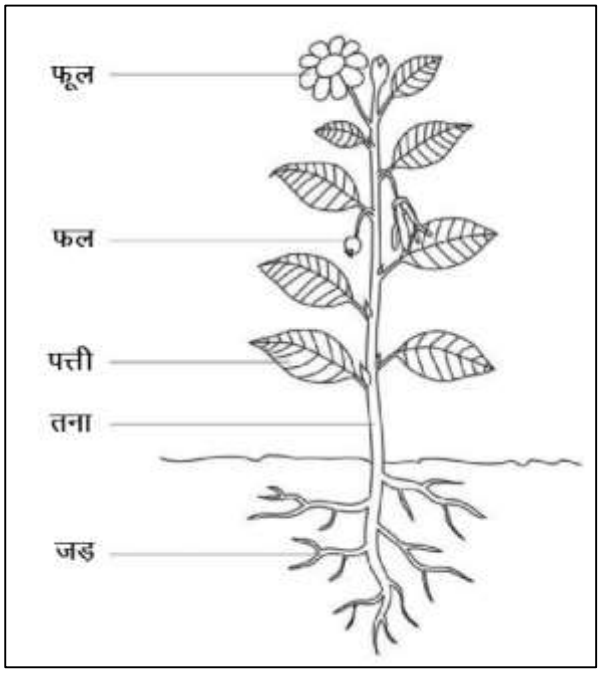

चित्र बनाना

गतिविधि 2 -

बच्चे अपने आसपास पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पौधों की जड़, तना, पत्ती, फूल एवं फल को इकट्ठा करेंगे तथा उन्हें उनके गुणों के आधार पर पहचान करेंगे एवं चित्र बनाकर कार्य लिखेंगे।

3. वर्कशीट -

क्र.	पौधे के अंगों का नाम	चित्र बनाना	कार्य
1	जड़	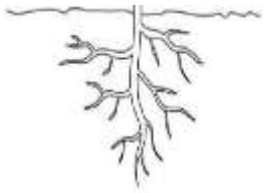	
2	तना		
3	पत्ती		
4	फूल		
5	फल		

पत्ती

क्र.	पौधे का नाम	चित्र बनाना	आकार			रंग
			लंबी	गोल	नुकीली	(हरा/पीला/रंगीन)
1	गुलाब				√	हरा
2						
3						
4						
5						

फूल

क्र.	नाम	चित्र बनाना	किस मौसम में खिलता है?	रंग	पंखुड़ियों की संख्या	खुशबू है या नहीं
1	गुड़हल	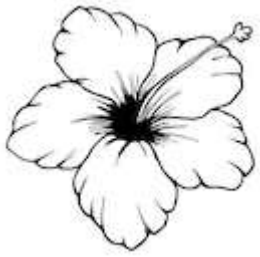	सभी मौसम में	लाल	5	नहीं
2						
3						
4						
5						

मिलान करो-

पत्ती का चित्र

फलों का चित्र

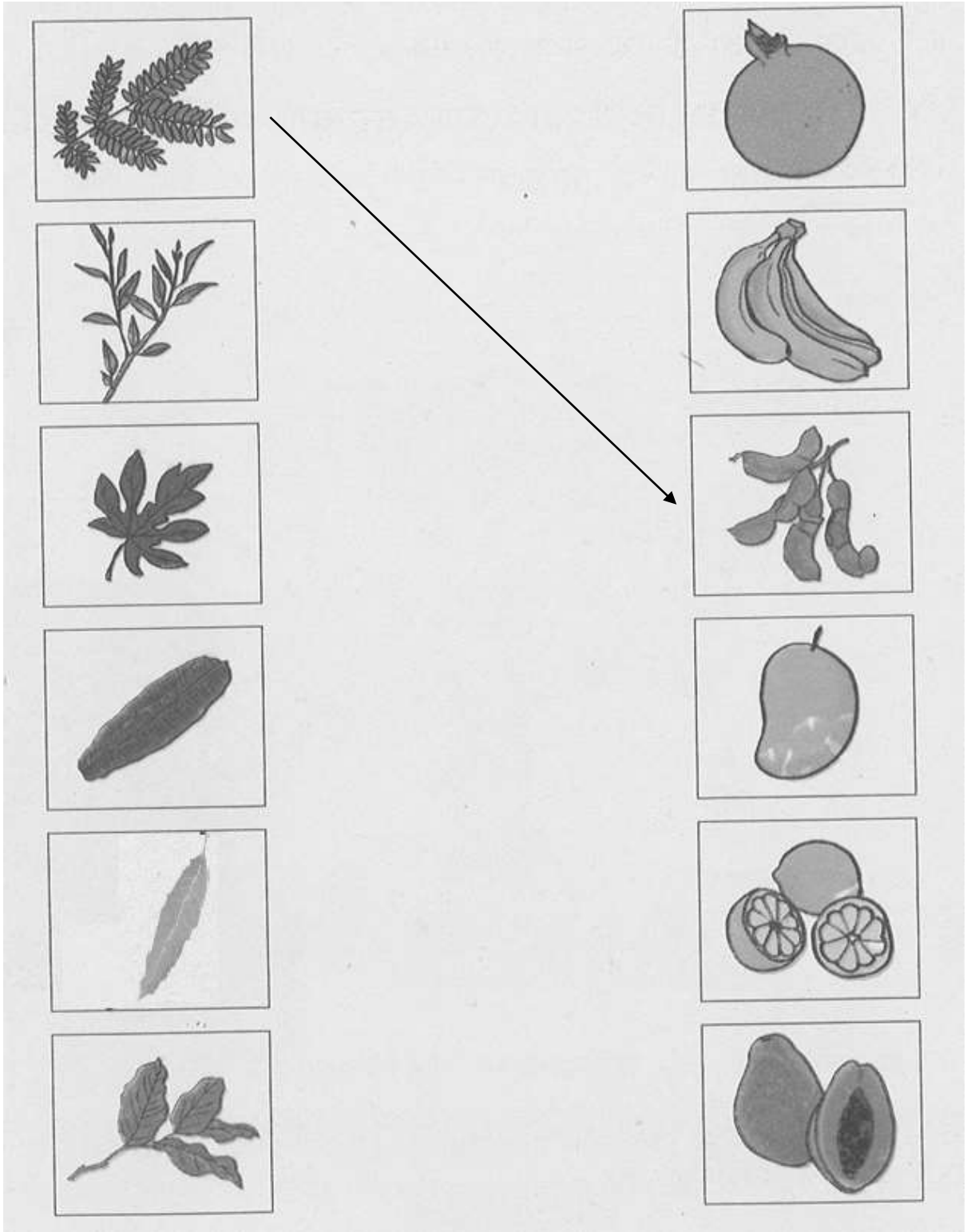

4. आकलन के प्रश्न

1. दो खाने वाली जड़ों के नाम लिखो-

   ---------- ----------

2. दो खुशबू देने वाले फूलों के नाम लिखो-

   ---------- ----------

3. जड़ों के कार्य लिखो-

   ---------- ----------

5. सुझाव -

अपने परिवेश में पाए जाने वाले पौधों की पहचान तथा उसके महत्व के बारे में जानकारी दी जा सकती है।

---000---

समुदाय के लोगों से परस्पर संवाद (सुझावात्मक) :

बच्चों की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा प्रयास है कि समुदाय के अनुभवों का लाभ बच्चों को मिले। बच्चे पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति सजग हों, प्रकृति और समाज के साथ अपने रिश्तों की पहचान कर सकें। समुदाय के साथ रह कर सामाजिक भावना को आत्मसात कर सकें। प्राथमिक स्तर से ही बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। यहाँ बच्चों के पास है- जिज्ञासा, कौतुहल, ढेर सारे सवाल। यहीं से शुरू होता है, हम बड़ों का दायित्व बच्चों में समुचित खान-पान, रहन-सहन, स्वच्छता, अच्छी आदतों और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित करना।

पढ़ने-पढ़ाने के दौरान बच्चे ने कितना सीखा, कहाँ कठिनाई आई, उसे पहचानना और दूर करना हम बड़ों की जिम्मेदारी है। यह कार्य हमें बच्चों पर दबाव डाल कर नहीं आनन्द के साथ करना होगा।

हमें समुदाय से विभिन्न व्यवसायों, सेवा क्षेत्रों, कार्यों, कौशलों से जुड़े सदस्यों को बच्चों के शिक्षण से जोड़ना है, जिससे बच्चे समुदाय के अनुभवों का लाभ उठा कर उनसे सीख सकें।

सुझावात्मक सत्र इस प्रकार हैं -

1. **पंचायत के सदस्यों से चर्चा-** सामाजिक विषय के अन्तर्गत बच्चे सीधे ग्राम पंचायत के सदस्यों से संपर्क-संवाद कर सकते हैं, यह भी हो सकता है कि उन्हें विद्यालय में आमंत्रित किया जाए और वे बच्चों को विस्तार से बताएँ कि पंचायती राज ने स्थानीय समस्याओं को हल करने और गांव का विकास करने में कैसे कार्य किया। पंचायत का गठन कैसे किया जाता है ? पंचायत के सदस्य बनने की योग्यता क्या-क्या है ? पंचायत चुनाव किस तरह सम्पन्न होते हैं?
2. **योग शिक्षक/शिक्षिका से चर्चा -** अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए विभिन्न शारीरिक गतिविधियों को करने की आवश्यकता होती है, जिसमें खेल, व्यायाम, योग करना, संतुलित भोजन, अच्छी आदतें आदि शामिल हैं। यह जानकारी समुदाय के किसी योग से जुड़े व्यक्ति या योग शिक्षक/शिक्षिका के द्वारा बच्चों को प्रदान की जा सकती है। बच्चों को अति सरल और आसानी से किए जाने वाले योग अभ्यासों की जानकारी भी दी जा सकती है, जिससे वे इन सरल योग अभ्यासों को कर सकें।

यह सत्र सुझावात्मक हैं, आप अपने परिवेश से सुविधानुसार अन्य क्षेत्रों के सामुदायिक सदस्य को सत्र संचालन हेतु आमंत्रित कर सकते हैं।

===000===

नोवल कोरोनावायरस (COVID-19)

— खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित —

क्या करें और क्या ना करें

क्या करें ✓

बार-बार हाथ धोएं। जब आपके हाथ स्पष्ट रूप से गंदे न हों, तब भी अपने हाथों को अल्कोहल - आधारित हैंड वॉश या साबुन और पानी से साफ करें

छींकते और खांसते समय, अपना मुंह व नाक टिशू/रूमाल से ढकें

प्रयोग के तुरंत बाद टिशू को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें

अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क/कपड़े का प्रयोग करें

भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें

क्या न करें ✗

यदि आपको खांसी और बुखार का अनुभव हो रहा हो, तो किसी के साथ संपर्क में ना आयें

अपनी आंख, नाक या मुंह को ना छूयें

सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें

हम सब साथ मिलकर कोरोनावायरस से लड़ सकते हैं